III. मौद्रिक एवं चलनिधि स्थिति

बैंक ऋण में पूर्ववर्ती तीन वर्षों में देखी गयी मजबूत वृद्धि में वर्ष 2007-08 की पहली तिमाही के दौरान नरमी आयी। बैंकों की जमाराशियों में बढ़ोतरी होती रही, जिसकी अगुआई मीयादी जमाराशियों ने की । व्यापक मुद्रा ($एम_3$) की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि मार्च 2007 के अंत की तुलना में जुलाई 6, 2007 को सीमांत रुप से अधिक हुई, और यह वार्षिक नीति वक्तव्य (अप्रैल 2007) में वर्ष 2007-08 के लिए निर्धारित 17.0-17.5 प्रतिशत के सांकेतिक लक्ष्य के भी ऊपर बनी रही । एसएलआर प्रतिभूतियों में बैंकों के निवेश, जो उनकी निवल मांग और मीयादी देयताओं (एनडीटीएल) के अनुपात के रूप में थे, तिमाही के दौरान बढ़े । चलनिधि-स्थिति सरकारों के नकदी शेष में उतार-चढ़ाव और पूँजी प्रवाह से प्रभावित होती रही । रिज़र्व बैंक ने बाजार में चलनिधि की स्थिति को बाजार स्थिरीकरण योजना (एमएसएस) के अंतर्गत प्रतिभूतियों के निर्गम, चलनिधि समंजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत परिचालनों और आरक्षित नकदी निधि अनुपात(सीआरआर) में वृद्धि की मदद से ठीक किया ।

मौद्रिक सर्वेक्षण

व्यापक मुद्रा ($एम_3$) में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि जुलाई 6, 2007 को 21.6 प्रतिशत थी, जबकि मार्च 2007 के अंत में यह 21.3 प्रतिशत और एक वर्ष पहले 19.0 प्रतिशत थी । रेजिडेंसी आधारित नया मौद्रिक समुच्चय ($एनएम_3$) - जिसमें प्रत्यक्ष रूप से अनिवासी विदेशी मुद्रा जमाराशियों, यथा, एफसीएनआर (बी) जमाराशियों, की गिनती नहीं की जाती - भी एक वर्ष पूर्व के 20.0 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 6, 2007 को 21.3 प्रतिशत हो गया। चलनिधि समुच्चय, $एल_1$, में जून 2007 के अंत में हुई 20.7 प्रतिशत की वृद्धि मार्च 2007 के अंत के 20.4 प्रतिशत और एक वर्ष पूर्व के 19.0 प्रतिशत से अधिक थी (चार्ट 8 और सारणी 20)। मुद्रा आपूर्ति के पूर्वानुमानों से संगति

चार्ट 8: मुद्रा आपूर्ति

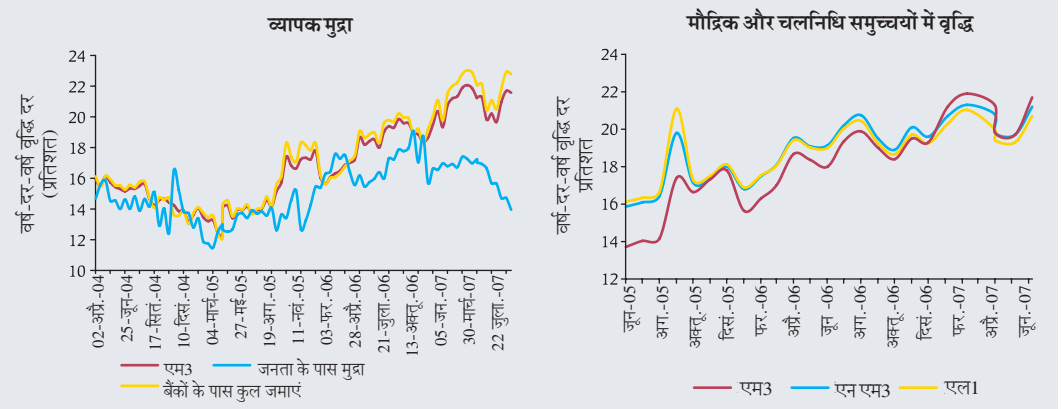

रखते हुए, वर्ष 2007-08 के लिए वार्षिक नीति वक्तव्य ने सकल जमाराशियों में वर्ष 2007-08 में वृद्धि को 4,90,000 करोड़ रुपये पर रखा । निधीयन के स्रोतों के समग्र मूल्यांकन के आधार पर इस वक्तव्य ने यह नोट किया कि सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और निजी कंपनी क्षेत्र के बांडों/डिबेंचरों/शेयरों में और वाणिज्यिक पत्रों (सीपी) में निवेश सहित खाद्येतर ऋण में क्रमिक कमी, जो वर्ष 2004-07 की अवधि में औसत 29.8 प्रतिशत थी, का वर्ष 2007-08 में 24.0-25.0 प्रतिशत होना मौद्रिक पूर्वानुमानों से संगति रखेगा ।

जनता के पास मुद्रा में वृद्धि में जुलाई 6, 2007 को मार्च 2007 के अंत की स्थिति से और एक वर्ष पूर्व की भी स्थिति से कमी आयी । मांग-जमा में वृद्धि, जो मार्च 2007 के अंत की तुलना में अधिक थी, एक वर्ष पूर्व की तुलना में कम थी। परिणामस्वरूप, संकुचित मुद्रा ($एम_1$) में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि, जो जुलाई 7, 2006 को 20.6 प्रतिशत थी, कम होकर जुलाई 6, 2007 को 17.0 प्रतिशत पर आ गयी, अलबत्ता, यह मार्च 2007 के अंत के 16.8 प्रतिशत से सीमान्त रूप से अधिक थी। दूसरी ओर, मीयादी जमाराशियों में वृद्धि, जो जुलाई 7, 2006 को 18.4 प्रतिशत और मार्च 2007 के अंत में 23.2 प्रतिशत थी, जुलाई 6, 2007 को 23.4 प्रतिशत हुई (सारणी 20) । सहवर्ती रूप से डाकघर जमाराशियों में कमी आकर वह मार्च 2007 में 10.9 प्रतिशत हो गयी, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 17.2 प्रतिशत थी । मीयादी जमाराशियों में उच्चतर क्रम की वृद्धि का कारण, अन्य बातों के साथ-साथ, उच्चतर आर्थिक कार्यकलाप, बैंक जमा पर ब्याज दर में वृद्धि, डाकघर की जमाराशियों पर अपरिवर्तित ब्याज दर और धारा 80 सी के अंतर्गत कर-लाभ का विस्तार किया जाना था (चार्ट 9)।

वित्तीय वर्ष आधार पर वर्ष 2007-08 (जुलाई 6, 2007 तक) के दौरान $एम_3$ में वृद्धि 3.8 प्रतिशत थी, जबकि पिछले वर्ष की तुलनीय अवधि में यह 3.5 प्रतिशत थी (सारणी 21) ।

वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक-ऋण में वृद्धि, जो पिछले तीन वर्षों से अच्छी स्थिति में थी, में वर्ष 2007-08 की पहली तिमाही में कुछ नरमी दिखाई पड़ी । अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (एससीबी) का खाद्येतर ऋण वर्ष-दर-वर्ष आधार पर जुलाई 6, 2007 को 24.4 प्रतिशत तक विस्तारित हुआ, जबकि मार्च 2007 के अंत में यह 28.4 प्रतिशत और एक वर्ष पूर्व 32.8 प्रतिशत था । एससीबी का खाद्येतर ऋण, जिसमें उनका गैर-एसएलआर निवेश

सारणी 20 : मौद्रिक संकेतक

(राशि करोड़ रुपए)

मद	6 जुलाई 2007 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)					
		7 जुलाई 2006		31 मार्च 2007		6 जुलाई 2007	
		पूर्ण	प्रतिशत	पूर्ण	प्रतिशत	पूर्ण	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
I. आरक्षित मुद्रा*	7,52,675	85,647	17.2	1,35,961	23.7	1,69,551	29.1
II. संकीर्ण मुद्रा ($एम_1$)	9,55,793	1,39,774	20.6	1,38,820	16.8	1,38,933	17.0
III. व्यापक मुद्रा ($एम_3$)	34,34,643	4,51,636	19.0	5,80,733	21.3	6,09,610	21.6
क) जनता के पास मुद्रा	4,97,817	60,216	16.0	70,352	17.0	60,960	14.0
ख) कुल जमाराशि	29,25,038	3,90,409	19.6	5,09,754	22.1	5,42,766	22.8
i) मांग जमाराशियां	4,46,188	78,547	26.6	67,841	16.7	72,089	19.3
ii) मीयादी जमाराशियां	24,78,850	3,11,862	18.4	4,41,913	23.2	4,70,677	23.4
जिसमें से : अनिवासी विदेशी मुद्रा जमाराशियां	62,506	-13,174	-17.1	7,833	13.2	-1,185	-1.9
IV. $एनएम_3$	34,41,815	4,73,728	20.0	5,70,274	20.8	6,03,306	21.3
जिसमें से : वित्तीय संस्थाओं से मांग मीयादी निधीयन	82,240	13,398	18.9	2,692	3.2	-2140	-2.5
V. क) $एल_1$	35,11,133	4,64,458	19.0	5,82,836	20.4	6,02,011	20.7
जिनमें से : डाक जमाराशि	1,15,204	14,301	15.4	11,286	10.9	–	–
ख) $एल_2$	35,14,065	4,64,164	19.0	5,82,836	20.4	6,02,011	20.7
ग) $एल_3$	35,40,129	4,67,208	18.9	5,85,059	20.3	6,04,234	20.6
VI. व्यापक मुद्रा के प्रमुख स्रोत							
क) सरकार को निवल बैंक ऋण (i+ii)	9,13,087	37,748	4.9	71,582	9.3	1,04,372	12.9
i) सरकार को रिज़र्व बैंक का निवल ऋण	28,167	3,068	–	-2,384	-29.3	30,358	–
जिनमें से : केन्द्र को	27,847	3,265	–	-3,024	-58.6	30,191	–
ii) सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	8,84,920	34,680	4.5	73,967	9.8	74,014	9.1
ख) वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	21,15,497	3,71,050	27.3	4,30,358	25.4	3,87,136	22.4
ग) बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	9,14,552	1,60,694	25.6	1,86,985	25.7	1,25,715	15.9
घ) जनता को सरकार की मुद्रा देयता	8,457	2	0.0	-467	-5.3	624	8.0
ङ) बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुद्रेतर देयताएं	5,16,951	1,17,857	30.2	1,07,725	23.2	8,237	1.6
ज्ञापन :							
अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल जमाराशियां	27,13,843	3,77,392	20.9	4,99,260	23.7	5,31,881	24.4
अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का खाद्येतर ऋण	18,70,299	3,70,899	32.8	4,16,006	28.4	3,67,258	24.4

* : आंकड़े 20 जुलाई 2007 से संबंधित हैं।

वि.सं. : वित्तीय संस्थांए एनबीएफसी : गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी।

$एनएम_3$ निवास आधारित व्यापक मुद्रा समुच्चय है और $एल_1$ $एल_2$ तथा $एल_3$ चलनिधि समुच्चय हैं जिसे मुद्रा आपूर्ति पर कार्य दल (अध्यक्ष डॉ. या. वे. रेड्डी, 1998) की सिफारिशों के आधार पर संकलित किया जाता है। चलनिधि समुच्चय निम्नवत् परिभाषित किए गए हैं।

$एल_1$ = $एनएम_3$ + डाकघर बचत बैंकों में रखी चुनिंदा जमाराशियां

$एल_2$ = $एल_1$ + वित्तीय संस्थाओं के पास रखी मीयादी जमाराशियां + वित्तीय संस्थाओं द्वारा मीयादी उधार + वित्तीय संस्थाओं द्वारा जारी जमाराशि प्रमाणपत्र।

$एल_3$ = $एल_2$ + एनबीएफसी की सार्वजनिक जमाराशियां।

टिप्पणी : 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. डाक जमाराशियों के आंकड़े मार्च 2007 के अंत से संबंधित हैं।

3. आंकड़े 29 दिसंबर 2005 को हुई इंडिया मिलेनियम जमाराशियों का मोचन दर्शाते हैं।

(शेयर, बांड/डिबेंचर और सीपी) शामिल था, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर जुलाई 6, 2007 को 23.1 प्रतिशत (3,66,450 करोड़ रुपये) बढ़ा, जबकि यह जुलाई 7, 2006 को 29.5 प्रतिशत (3,60,938 करोड़ रुपये) बढ़ा था। म्युचुअल फंडों द्वारा जारी लिखतों में बैंकों का निवेश वर्ष-दर-वर्ष आधार पर जुलाई 6, 2007 को 30,381

चार्ट 9: मीयादी जमाराशियों में वृद्धि

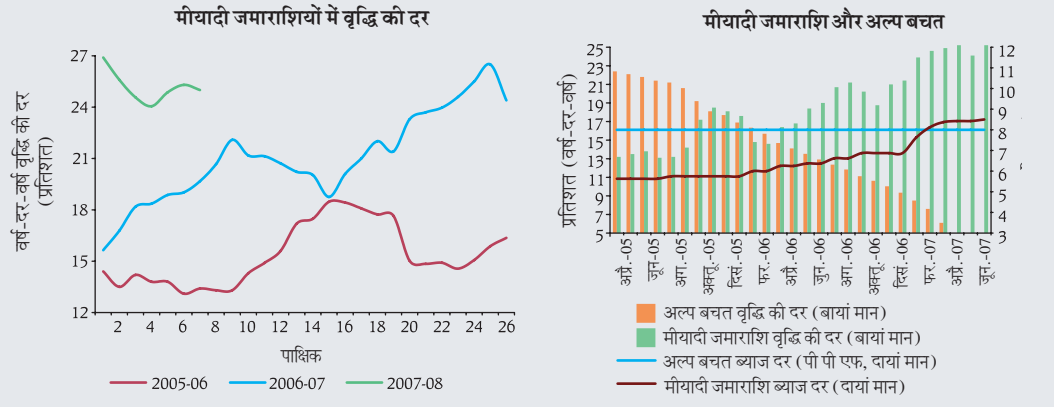

करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि यह जुलाई 7, 2006 को 15,331 करोड़ रुपये बढ़ा था। जमावृद्धि में तेजी के साथ ऋण वृद्धि में गिरावट ने एससीबी के वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात (साल-दर-साल) को कम करके जुलाई 6, 2007

सारणी 21: मौद्रिक कुल राशियां - घटबढ़

(करोड़ रुपए)

मद	2006-07 (7 जुलाई तक)	2007-08 (6 जुलाई तक)	2006-07				2007-08
			1 ति.	2 ति.	3 ति.	4 ति.	1 ति.
1	2	3	4	5	6	7	8
एम$_3$ (1+2+3 = 4+5+6+7-8)	**95,488 (3.5)**	**1,24,365 (3.8)**	**55,411**	**1,68,401**	**62,951**	**2,93,970**	**78,638**
घटक							
1. जनता के पास मुद्रा	23,738 (5.7)	14,346 (3.0)	23,797	-2,878	27,587	21,847	17,752
2. बैंकों में कुल जमाराशि	72,715 (3.1)	1,05,727 (3.8)	33,227	1,70,827	35,866	2,69,833	60,567
2.1 बैंकों में मांग जमाराशि	-32,289 (-7.9)	-28,040 (-5.9)	-42,399	43,794	-8,252	74,697	-42,300
2.2 बैंकों में मीयादी जमाराशि	1,05,004 (5.5)	1,33,767 (5.7)	75,626	1,27,033	44,118	1,95,136	1,02,866
3. बैंकों में 'अन्य' जमाराशियां	-964	4,292	-1,613	452	-502	2,291	319
स्रोत							
4. सरकार को बैंक का निवल ऋण	42,120 (5.5)	74,910 (8.9)	23,431	14,175	-13,204	47,180	18,976
4.1 सरकारी क्षेत्र को भारिबैंक का निवल ऋण	-10,328	22,415	53	2,826	-12,754	7,490	-25,483
4.1.1 केंद्र को भारिबैंक का निवल ऋण	-7,504	25,711	3,071	2,584	-12,568	3,889	-21,825
4.2 सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	52,448	52,495	23,378	11,349	-451	39,690	44,459
5. वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	35,357 (2.1)	-7,865 (-0.4)	14,930	1,44,204	78,099	1,93,125	-25,063
6. बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	62,643	1,373	58,087	20,197	43,160	65,542	-2,745
6.1 भारिबैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	76,402	1,373	71,845	11,392	27,250	82,682	-2,745
7. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	-920	171	-920	155	166	132	171
8. बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुद्रेतर देयताएं	43,712	-55,776	40,117	10,330	45,269	12,009	-87,299
ज्ञापन:							
1. अ.वा.बैं. के पास रखी अनिवासी विदेशी मुद्रा जमाराशि	4,416	-4,602	3,917	1,671	1,233	1,011	-4,527
2. वि.सं. से लिए अ.वा.बैं. के मांग-मीयादी उधार	1,236	-3,596	3,118	-1,576	-4,468	5,618	-2,916
3. अ.वा.बैं. द्वारा लिए गए समुद्रपारीय उधार	1,265	-6,850	3,301	-3,685	-2,774	5,229	-6,666

अ.वा.बैं : अनुसूचित वाणिज्य बैंक एनईएफए : निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां वि.सं. : वित्तीय संस्थाएं

टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकड़े प्रतिशत घटबढ़ दर्शाते हैं।

चार्ट 10: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के ऋणों में वृद्धि*

* : वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, एक गैर बैंकिंग संस्था के 11 अक्तूबर 2004 से बैंकिंग संस्था में परिवर्तित होना छोड़कर।

को 70.2 प्रतिशत कर दिया, जबकि यह एक वर्ष पूर्व 96.4 प्रतिशत और मार्च 31, 2006 को 110.0 प्रतिशत था (चार्ट 10)।

मई 2007 तक उपलब्ध असमुच्चयित क्षेत्रीय आँकड़े यह दर्शाते हैं कि लगभग 39 प्रतिशत वृद्धिशील खाद्येतर ऋण (साल-दर-साल) उद्योग द्वारा आत्मसात कर लिया गया, जिसकी अगुआई आधारभूत संरचना (बिजली, बंदरगाह, दूरसंचार, आदि), कपड़ा, लोहा और इस्पात, इंजीनियरी, पेट्रोलियम, रसायन, निर्माण एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों ने की । अकेले आधारभूत संरचना क्षेत्र उद्योगों को दिए गए लगभग 25 प्रतिशत के वृद्धिशील खाद्येतर ऋण के लिए जिम्मेवार था । कृषि क्षेत्र ने लगभग 15 प्रतिशत वृद्धिशील खाद्येतर ऋण-विस्तार को आत्मसात किया। वैयक्तिक ऋण लगभग 24 प्रतिशत के वृद्धिशील खाद्येतर ऋण के लिए जिम्मेवार थे; वैयक्तिक ऋणों में वृद्धिशील गृह-निर्माण ऋण का हिस्सा लगभग 11 प्रतिशत था । वाणिज्यिक स्थावर संपदा में ऋण-वृद्धि ऊँची बनी रही (सारणी 22) ।

बैंक ऋण के अतिरिक्त कंपनियों ने अपनी जरूरतों के लिए बैंकेतर स्रोतों, यथा, पूँजी बाजार, बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) और आंतरिक निधियों, के माध्यम से निधियाँ जुटाना जारी रखा । घरेलू इक्विटी के निर्गम के माध्यम से संसाधनों के जुटाये जाने का काम अच्छी स्थिति में रहा, जिसकी राशि वर्ष 2007-08 के दौरान (अप्रैल-जून) 13,261 करोड़ रुपये थी (सारणी 23) । अमेरिकन डिपोजिटरी रसीदों (एडीआर) और ग्लोबल डिपोजिटरी रसीदों (जीडीआर) के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुटाये गये संसाधनों की राशि वर्ष 2007-08 के दौरान (अप्रैल-जून) 1,251 करोड़ रुपये थी, जबकि एक वर्ष पूर्व यह राशि 4,965 करोड़ रुपये थी । ईसीबी के अंतर्गत निवल संग्रहण लगभग दुगुना होकर वर्ष 2006-07 के दौरान (अप्रैल-मार्च) 88,472 करोड़ रुपये हो गया । आंतरिक निधि-निर्माण निधीयन संबंधी जरूरतों का समर्थन करता रहा, क्योंकि नमूना गैर-वित्तीय गैर-सरकारी कंपनियों का वर्ष 2006-07 के दौरान कर-पश्चात लाभ पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक हुआ ।

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश जुलाई 6, 2007 को वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 10.5 प्रतिशत बढ़े, जबकि एक वर्ष पूर्व ये 4.1 प्रतिशत बढ़े थे (सारणी 24) । वाणिज्यिक बैंकों की सरकारी प्रतिभूतियों में धारित राशि, जो जुलाई 6, 2007 को उनकी निवल मांग और मीयादी देयताओं

सारणी 22: खाद्येतर बैंक ऋण का नियोजन

(राशि करोड़ रुपए)

क्षेत्र / उद्योग	25 मई 2007 को बकाया	वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़			
		25 मई 2006		25 मई 2007	
		समग्र	प्रतिशत	समग्र	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
खाद्येतर सकल बैंक ऋण (1 से 4)	**17,52,349**	**3,10,316**	**32.2**	**3,65,814**	**26.4**
1. कृषि और संबंधित कार्य	**2,22,042**	**42,122**	**35.0**	**54,038**	**32.2**
2. उद्योग (लघु, मझौले एवं बड़े)	**6,76,440**	**98,947**	**26.4**	**1,41,280**	**26.4**
लघु उद्योग	1,15,884	14,863	20.3	26,387	29.5
3. वैयक्तिक ऋण	**4,55,439**	**–**	**–**	**87,944**	**23.9**
आवास	2,30,751	–	–	41,066	21.6
मीयादी जमाराशि पर अग्रिम	39,092	6,076	22.9	6,237	19.0
क्रेडिट कार्ड	14,221	–	–	4,411	45.0
शिक्षा	15,438	–	–	4,903	46.5
उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	8,831	-1,103	-13.3	1,661	23.2
4. अन्य	**3,98,428**	**–**	**–**	**82,551**	**26.1**
परिवहन परिचालक	25,321	–	–	7,922	45.5
पेशेवर और अन्य	24,834	–	–	8,999	56.8
व्यापार	1,05,536	–	–	23,319	28.4
वास्तविक भूसंपदा ऋण	46,295	–	–	19,010	69.7
गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	44,425	11,564	64.0	12,401	38.7
ज्ञापन :					
प्राथमिक क्षेत्र	**6,25,298**	**1,22,394**	**33.7**	**1,20,463**	**23.9**
उद्योग (लघु, मझौले, बड़े)	**6,76,440**	**98,947**	**26.4**	**1,41,280**	**26.4**
खाद्य प्रसंस्करण	37,367	4,545	19.9	6,758	22.1
वस्त्रोद्योग	77,657	14,704	37.8	19,223	32.9
कागज एवं कागज के उत्पाद	11,391	2,093	35.1	2,243	24.5
पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद एवं आण्विक इंधन	29,039	2,135	14.5	9,884	51.6
रसायन एवं रासायनिक उत्पाद	52,415	6,800	22.2	6,511	14.2
रबड़, प्लास्टिक एवं प्लास्टिक के उत्पाद	8,855	2,291	56.3	1,938	28.0
लोहा तथा इस्पात	63,374	13,031	42.5	13,554	27.2
अन्य धातु तथा धातु के उत्पाद	20,454	2,769	26.7	5,447	36.3
सभी इंजीनियरिंग	42,592	5,683	22.3	8,553	25.1
वाहन, वाहन के पुर्जे तथा परिवहन उपस्कर	23,691	5,045	58.3	5,267	28.6
रत्न तथा आभूषण	23,423	5,623	45.9	2,572	12.3
भवन निर्माण	20,123	4,192	50.6	6,632	49.2
इंफ्रास्ट्रक्चर	1,43,520	25,557	35.0	35,292	32.6

– : उपलब्ध नहीं।

टिप्पणी : 1.आंकड़े अनंतिम हैं और चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से संबंधित हैं।

2. क्षेत्र/उद्योग के वर्गीकरण और बैंकों के कवरेज में परिवर्तन के कारण 2006 के आंकड़े पूर्व के आंकड़ों से तुलनीय नहीं हैं।

(एनडीटीएल) के 28.7 प्रतिशत पर थी, वह मार्च 2007 के अंत में 28.0 प्रतिशत से कुछ अधिक लेकिन एक वर्ष पूर्व के 31.5 प्रतिशत से कम थी (चार्ट 11) । एससीबी के अधिक एसएलआर निवेश मार्च 2007 के अंत के 84,223 करोड़ रुपये से बढ़कर जुलाई 6, 2007 को 1,10,207 करोड़ रुपये हो गये, लेकिन वे एक वर्ष पूर्व के 1,59,029 करोड़ रुपये से कम थे । रिज़र्व बैंक के पास बैंकों की जमाराशियों में वृद्धि हुई, जो उनके एनडीटीएल और सीआरआर में वृद्धि के प्रभाव को प्रतिबिंबित करती है । एससीबी द्वारा गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों (यथा, शेयरों/बांडों/वाणिज्यिक पत्रों) में निवेश भी एक वर्ष पहले की तुलना में अधिक किये गये । विदेश में बैंकों की विदेशी

सारणी 23: उद्योग के लिए निधि के चुनिंदा स्रोत

(करोड़ रुपए)

मद	2005-06	2006-07	2006-07				2007-08
			1 ति	2 ति	3 ति	4 ति	5 ति
1	2	3	4	5	6	7	8
क. उद्योग को बैंक ऋण #	**1,26,804**	**1,41,543**	**-2,336**	**49,290**	**28,415**	**66,174**	**-20,894 ***
ख. गैर बैंकों से कारपोरेट की ओर प्रवाह							
1. पूंजी निर्गम (i+ii)	13,781	29,180	10,627	1,882	10,840	5,831	13,788
i) गैर सरकारी पब्लिक लि. कंपनियां (क+ख)	13,408	29,180	10,627	1,882	10,840	5,831	13,261
क) बांड / डिबेंचर	245	585	0	0	491	94	0
ख) शेयर	13,163	28,595	10,627	1,882	10,349	5,737	13,261
ii) पीएसयू और सरकारी कंपनियां	373	0	0	0	0	0	527
2. एडीआर/जीडीआर निर्गम	7,263	16,184	4,965	2,130	924	8,165	1,251
3. बाह्य वाणिज्य उधार (ईसीबी)	45,078	88,472	20,498	14,232	16,077	37,665	उ.न.
4. सीपी का निर्गम	-1,517	4,970	6,931	4,795	-908	-5,848	7,661
ग. मूल्यह्रास प्रावधान +	**28,883**	**37,095**	**8,449**	**8,892**	**9,172**	**10,338**	**उ.न.**
घ. करोत्तर लाभ +	**67,506**	**1,11,107**	**24,845**	**27,710**	**28,698**	**31,251**	**उ.न.**

उ.न. : उपलब्ध नहीं।

* : अप्रैल-मई 2007।

\# : आंकड़े चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से संबंधित हैं। 2005-06 के आंकड़े, नमूना में चुने गए बैंकों की संख्या में वृद्धि के कारण, बाद की अवधि के आंकड़ों से तुलनीय नहीं हैं।

\+ : आंकड़े चुनिंदा गैर-वित्तीय गैर-सरकारी कंपनियों के लेखापरीक्षित/अलेखापरीक्षित संक्षिप्त परिणामों पर आधारित हैं। पूरे साल के आंकड़ों का तिमाही जोड़ के बराबर होना जरुरी नहीं है क्योंकि प्रत्येक अवधि में शामिल कंपनियों की संख्या भिन्न है (अध्याय 1 देखें)

टिप्पणी: 1. आंकड़े अनंतिम हैं।

2. पूंजी निर्गमों का आंकड़ा सकल निर्गमों से संबंधित है जिसमें बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के निर्गम शामिल नहीं है। आंकड़े बैंकों के पूंजी निर्गमों में निवेश के लिए समायोजित नहीं हैं।

3. एडीआर / जीडीआर के निर्गमों के आंकड़ों में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के निर्गमों को शामिल नहीं किया गया है।

4. ईसीबी के आंकड़ों में अल्पकालिक ऋण शामिल हैं। 2005-06 के आंकड़ो में आइएमडी चुकौती को शामिल नहीं किया गया है।

मुद्रा आस्तियों में धारित राशि पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी; उनके समुद्रपार उधारों में संकुचन हुआ । पूँजीगत निर्गमों और आंतरिक उपचय के माध्यम से पिछले वर्ष की तुलना में अधिक निधियाँ जुटायी गयीं ।

सारणी 24: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का सर्वेक्षण

(राशि करोड़ रुपए)

मद	6 जुलाई 2007 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		7 जुलाई 2006 को		6 जुलाई 2007 को	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
निधि के स्रोत					
1. कुल जमाराशियां	27,13,843	377,392	20.9	5,31,881	24.4
2. वित्तीय संस्थानों से मांग/मीयादी निधीयन	82,240	13,398	18.9	-2,140	-2.5
3. समुद्रपारीय विदेशी मुद्रा उधार	25,055	3,190	11.4	-6,045	-19.4
4. पूंजी	36,748	987	3.5	7,792	26.9
5. आरक्षित निधि	2,10,763	31,950	24.5	48,518	29.9
निधि का उपयोग					
1. बैंक ऋण	19,14,527	363,936	30.9	3,73,632	24.2
उनमें से: गैर खाद्य ऋण	18,70,299	3,70,899	32.8	3,67,258	24.4
2. सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	8,49,946	30,101	4.1	80,715	10.5
क) सरकारी प्रतिभूतियां	8,29,251	33,351	4.6	76,409	10.1
ख) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	20,695	-3,250	-16.5	4,306	26.3
3. गैर एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश	1,78,371	9,842	7.0	27,716	18.4
4. विदेशी मुद्रा आस्तियां	62,065	4,202	14.8	29,420	90.1
5. भा.रि.बैंक के पास शेष	1,99,592	19,542	20.3	83,877	72.5

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।

चार्ट 11: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा एसएलआर में निवेश

आरक्षित मुद्रा सर्वेक्षण

आरक्षित मुद्रा में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर जुलाई 20, 2007 की स्थिति के अनुसार 29.1 प्रतिशत तक वृद्धि हुई (सीआरआर[1] में वृद्धि के प्रभाव के पहले दौर के लिए 21.7 प्रतिशत का समायोजन किया गया), जबकि पिछले वर्ष यह प्रतिशत 17.2 था (चार्ट 12)।

वित्तीय वर्ष 2007-08 के दौरान (जुलाई 20, 2007 तक) आरक्षित मुद्रा में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई (4.0 प्रतिशत का समायोजन सीआरआर में वृद्धि के प्रभाव के पहले दौर के लिए किया गया), जबकि वर्ष 2006-07 की तदनुकूल अवधि में यह 1.8 प्रतिशत थी। रिज़र्व बैंक के पास बैंकों की जमाराशियाँ वर्ष 2007-08 के दौरान (जुलाई 20, 2007 तक) 14.0 प्रतिशत तक बढ़ गयीं, जबकि वर्ष 2006-07 की तदनुकूल अवधि के दौरान इनमें 6.2 प्रतिशत की कमी आयी थी। संचलन में मुद्रा 2.1 प्रतिशत तक बढ़ी, जबकि पिछले वर्ष की तदनुकूल अवधि में यह 4.6 प्रतिशत बढ़ी थी (सारणी 25)।

चार्ट 12: आरक्षित मुद्रा वृद्धि

[1] सीआरआर दिसंबर 2006 और मई 2007 के बीच 150 आधार अंक तक बढ़ाया गया (देखें सारणी 33, अध्याय 4) और अनुमान है कि इसने बैंकों के साधन-स्रोतों की 43,000 करोड़ रुपये की राशि को आत्मसात किया।

स्रोतों की तरफ देखने से पता चलता है कि आरक्षित मुद्रा निवल विदेशी मुद्रा आस्तियों (पुनर्मूल्यन के लिए समायोजित) द्वारा संचालित होती रही, जो पिछले वर्ष की तदनुकूल अवधि में 30,663 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2007-08 में (जुलाई 20, 2007 तक) 72,947 करोड़ रुपये तक बढ़ी (चार्ट 13)। केंद्र को रिज़र्व बैंक के निवल ऋण में उतार-चढ़ाव प्रमुख रूप से रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि प्रबंधन परिचालनों और सरकारी जमा की प्रवृत्तियों में प्रतिबिंबित हुआ। वर्ष 2007-08 के दौरान (जुलाई 20, 2007 तक) केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों में रिज़र्व बैंक की धारित राशि 21,182 करोड़ रुपये तक कम हुई, जो अंशतः चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत चलनिधि को आत्मसात कर लिये जाने के कारण हुई। दूसरी ओर, रिज़र्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिमों/ओवरड्राफ्ट में 30,058 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। केंद्र सरकार की जमाराशियों में गिरावट आयी, जो सरकार के नकदी अधिशेष (49,992 करोड़ रुपये) में कमी को प्रतिबिंबित करती है, जिसका आंशिक समायोजन एमएसएस के अंतर्गत जमाराशियों में वृद्धि (22,053 करोड़ रुपये) द्वारा किया गया। इन गतिविधियों को प्रतिबिंबित करते हुए, केंद्र को निवल रिज़र्व बैंक ऋण की राशि वर्ष 2007-08 के दौरान (जुलाई 20, 2007 तक) 18,875 करोड़

सारणी 25: आरक्षित मुद्रा

(राशि करोड़ रुपए)

मद	20 जुलाई 2007 को बकाया	घटबढ़							
		2006-07 (अप्रैल मार्च)	2006-07 (21 जुलाई तक	2007-08 (20 जुलाई तक	2006-07				2007-08
					ति.1	ति.2	ति.3	ति.4	ति.5
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
आरक्षित मुद्रा	**7,52,675**	**1,35,961 (23.7)**	**10,069 (1.8)**	**43,659 (6.2)**	**13,466**	**18,665**	**14,204**	**89,626**	**12,390**
घटक (1+2+3)									
1. संचलन में मुद्रा	5,14,605	73,549 (17.1)	19,630 (4.6)	10,380 (2.1)	22,283	-2,011	26,871	26,405	16,870
2. भारिबैं के पास बैंक जमा	2,24,980	61,784 (45.6)	-8,453 (-6.2)	27,685 (14.0)	-7,204	20,224	-12,165	60,929	-4,800
3. भारिबैं के पास अन्य जमा	13,090	628 (9.1)	-1,108 (-16.1)	5,594 (74.6)	-1,613	452	-502	2,291	319
स्रोत (1+2+3+4-5)									
1. भारिबैं द्वारा सरकार को दिए गए निवल ऋण	21,884	-2,384	-9,374	16,132	53	2,826	-12,754	7,490	-25,483
जिसमें से: केंद्र को (i+ii+iii+iv-v)	21,011	-3,024	-6,356	18,875	3,071	2,584	-12,568	3,889	-21,825
i. ऋण और अग्रिम	30,058	0	0	30,058	0	0	0	0	0
ii. भारिबैं द्वारा धारित खजाना बिल	0	0	0	0	0	0	0	0	0
iii. भारिबैं के पास दिनांकित प्रतिभूतियां	75,990	26,763	-33,913	-21,182	-27,610	24,944	22,733	6,696	-34,284
iv. भारिबैं. के पास रुपया सिक्के	91	-143	-20	79	9	-107	97	-142	128
v. केंद्र सरकार के जमा	85,127	29,644	-27,577	-9,921	-30,672	22,253	35,398	2,665	-12,330
2. भारिबैं. द्वारा बैंकों और वाणिज्यिक क्षेत्र को दिए गए ऋण	1,394	1990	-3,094	-7,778	-3,135	3,107	2,065	-47	-6,450
3. भारिबैं का एनएफईए	8,93,888	1,93,170 (28.7)	87,888 (13.1)	27,735 (3.2)	71,845	11,392	27,250	82,682	-2,745
जिसमें से :पुनर्मूल्यन के लिए समायोजित एफसीए		1,64,601	30,663	72,947	28,107	10,948	31,634	93,913	47,728
4. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	8,457	-467	-868	171	-920	155	166	132	171
5. भारिबैं की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	1,72,948	56,347	64,483	-7,400	54,376	-1,184	2,524	632	-46,897
ज्ञापन:									
एलएएफ रेपो (+) / रिवर्स रेपो (-)	-3,000	36,435	-38,820	-32,185	-23,060	28,395	22,195	8,905	-32,182
निवल खुले बाजार की बिक्री # *		5,125	2,503	1,910	1,536	1,176	389	2,024	1,246
केन्द्र का अधिशेष**	0	1,164	-42,699	-49,992	-27,321	13,313	38,713	-23,542	-34,597
एमएसएस के अंतर्गत संग्रह *	85,027	33,912	8,664	22,053	4,062	8,940	-3,315	24,225	19,643
प्राधिकृत व्यापारियों से निवल क्रय (+)/बिक्री(-)		1,18,994	21,545	14,614	21,545	0	19,776	77,673	14,614
एनएफइए / आरक्षित मुद्रा @	118.8	122.2	130.5	118.8	127.0	125.0	126.5	122.2	119.7
एनएफईए/मुद्रा @	173.7	171.8	169.0	173.7	164.4	167.7	164.0	171.8	165.7

एनएफईए : निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां एफसीए : विदेशी मुद्रा आस्तियां एलएएफ : चलनिधि समायोजन सुविधा

* : अंकित मूल्य पर + : 25 मई 2007 तक # : खजाना बिलों को छोड़कर @ : प्रतिशत, अवधि समाप्ति

** : अधिशेष के मामले में रिज़र्व बैंक के पास स्थित न्यूनतम नकदी शेष निकालकर।

टिप्पणी: 1. चौथी तिमाही के आंकड़े 31 मार्च पर आधारित हैं और अन्य सभी तिमाहियों के आंकड़ें अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार के हैं।

2. कोष्ठकों के आंकड़ें राजकोषीय वर्ष के दौरान की प्रतिशत घटबढ़ हैं।

रुपये तक बढ़ गयी, जबकि पिछले वर्ष की तदनुकूल अवधि के दौरान इसमें 6,356 करोड़ रुपये की कमी हुई थी ।

चलनिधि प्रबंधन

वर्ष 2007-08 के दौरान रिज़र्व बैंक चलनिधि के सक्रिय प्रबंधन की अपनी नीति पर चलता रहा, जिसके

चार्ट 13 : भारिबैंक की निवल विदेशी आस्तियां

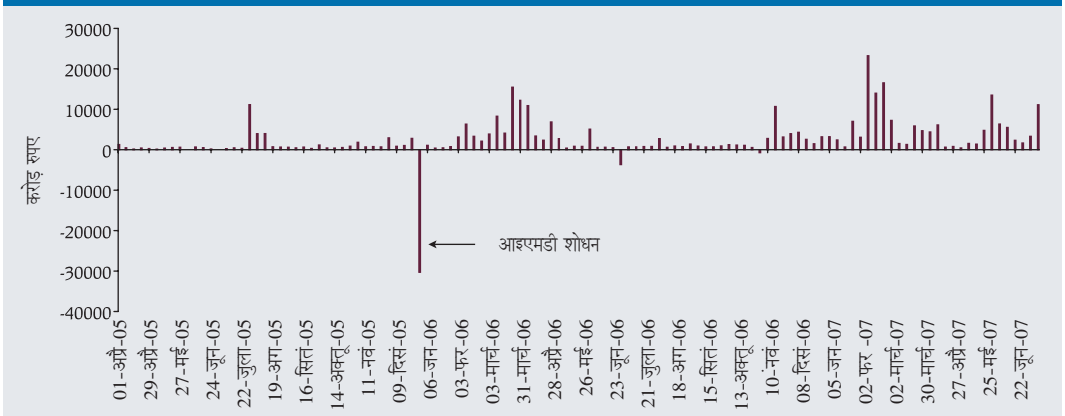

लिए उसने अपने पास उपलब्ध सभी पॉलिसी लिखतों का लचीला प्रयोग किया । सरकार के नकदी शेष में घट-बढ़ और पूँजी प्रवाह चलनिधि-स्थिति के प्रमुख प्रेरक बने रहे।

चलनिधि संबंधी दबाव अप्रैल 4, 2007 को और उसके बाद से धीरे-धीरे कम हुए, जिसका कारण अंशतः केंद्र के नकदी शेष में मार्च 2007 के अंत के 50,092 करोड़ रुपये से अप्रैल 2007 के मध्य तक कम होकर 32,023 करोड़ रुपये हो जाना था । परिणामस्वरूप, एलएएफ रेपो के माध्यम से अंतःक्षेपण की गयी राशि मार्च 2007 के अंत के 29,185 करोड़ रुपये से गिरकर अप्रैल 5, 2007 तक 1,455 करोड़ रुपये हो गयी और बाद में अप्रैल 9-15, 2007 के दौरान एलएएफ रिवर्स रेपो के अंतर्गत चलनिधि आत्मसात कर ली गयी । आत्मसात की गयी राशि की सीमा मार्च 5, 2007 से प्रभावी संशोधित व्यवस्था के अनुवार 3,000 करोड़ रुपये रखी गयी । तदनुसार, मार्च 5, 2007 से आगे एलएएफ रिवर्स रेपो के अंतर्गत आत्मसात की गयी राशियाँ पिछले आँकड़े से तुलनीय नहीं हैं (सारणी 26 और चार्ट 14) ।

हालाँकि केंद्र के नकदी शेष में अप्रैल 2007 के मध्य से और उसके बाद पुनः कमी हुई, चलनिधि स्थिति सख्त हो गयी; इसका कारण अंशतः अप्रैल 14, 2007 और अप्रैल 28, 2007 के पखवाड़ों से सीआरआर में प्रत्येक बार 25 आधार अंक की बढ़ोतरी को माना जा सकता है । एलएएफ पटल अप्रैल 16-मई 27, 2007 के अधिकांश भाग के दौरान चलनिधि-अंतःक्षेपण का साक्षी रहा, जिसमें प्रतिदिन चलनिधि का निवल अंतःक्षेपण औसतन 9,629 करोड़ रुपये हुआ । चलनिधि संबंधी दबाव मई 28, 2007 और उसके बाद से कम हुआ, जो सरकारी खर्च में वृद्धि और रिज़र्व बैंक द्वारा प्राधिकृत व्यापारियों से विदेशी मुद्रा की निवल खरीद में प्रतिबिंबित होता है । केंद्र का डब्लूएमए/ओवरड्राफ्ट मई 25, 2007 के 7,753 करोड़ रुपये से बढ़कर जून 1, 2007 तक 26,707 करोड़ रुपये हो गया, जबकि जून 15, 2007 को यह गिरकर 8,248 करोड़ रुपये रह गया । सरकार का नकदी शेष पुनः जून 29, 2007 को कम हो गया, जो भारतीय स्टेट बैंक में रिज़र्व बैंक की अंशधारिता को सरकार को अंतरण किये जाने को प्रतिबिंबित करता है । एलएएफ पटल मई 28, 2007 को अवशोषण प्रणाली में बदल गया और जुलाई 24, 2007 तक उसी स्थिति में रहा (सिवाय जून 28-जुलाई 2, 2007 की अवधि के दौरान, जब प्रतिदिन औसतन 9,009 करोड़ रुपये के रेपो परिचालनों के माध्यम से चलनिधि में अंतःक्षेपण

सारणी 26: रिज़र्व बैंक के चलनिधि प्रबंधन के कार्य

(करोड़ रुपए)

मद	2006-07 (अप्रैल-मार्च)	2006-07				2007-08		
		1 ति.	2 ति.	3 ति.	4 ति.	अप्रैल	मई	जून
1	2	3	4	5	6	7	8	9
क. चलनिधि के प्रेरक कारक (1 से 5)	**61,739**	**36,247**	**-16,896**	**-25,641**	**68,028**	**34,179**	**12,797**	**अनु.**
1. प्राधिकृत व्यापारियों से रिज़र्व बैंक की निवल खरीद	1,18,994	21,545	0	22,461	74,988	8,835	5,779	अनु.
2. जनता के पास मुद्रा	-70,352	-19,648	-1,270	-27,033	-22,400	-19,953	-1,007	8,498
3. रिज़र्व बैंक में केंद्र के अतिरिक्त नकदी शेष*	-1,164	40,207	-26,199	-30,761	15,590	49,992	0	0
4. केन्द्र को डब्ल्यूएमए/ओवरड्राफ्ट	0	0	0	0	0	980	6,773	7,406
5. अन्य (अवशिष्ट)	14,260	-5,856	10,574	9,693	-150	-5,676	1,252	अनु.
ख. चलनिधि प्रबंधन (6 से 9)	**-24,257**	**-39,003**	**32,026**	**31,625**	**-48,905**	**-39,879**	**-24,451**	**10,387**
6. एलएएफ रिपो का चलनिधि प्रभाव	36,435	-35,315	40,650	33,600	-2,500	-19,189	-5,306	4,205
7. ओएमओ (निवल) का चलनिधि प्रभाव@	720	545	145	25	5	10	0	0
8. एमएसएस का चलनिधि प्रभाव	-33,912	-4,233	-8,769	4,750	-25,660	-12,950	-11,395	6,182
9. सीआरआर परिवर्तन के प्रभाव का पहला चक्र	-27,500	0	0	-6,750	-20,750	-7,750	-7,750	0
ग. बैंक रिज़र्व (क+ख) #	**37,482**	**-2,756**	**15,130**	**5,984**	**19,123**	**-5,700**	**-11,654**	**15,047**

अनु: अनुपलब्ध।
(+): बैंकिंग व्यवस्था में चलनिधि जारी करना सूचित करता है।
(-) : बैंकिंग व्यवस्था से चलनिधि निकालना सूचित करता है।
* : अधिशेष के मामले में रिज़र्व बैंक के पास स्थित न्यूनतम नकदी शेष निकालकर।
\# : बैंकों में वॉल्ट नकदी शामिल है तथा सीआरआर परिवर्तन के कारण पहले चरण के चलनिधि प्रभाव के लिए समायोजित।
@ : समेकित परिशोधन निधि (सीएसएफ) और अन्य निवेश के लिए समायोजित और इसमें निजी स्थानन शामिल है।
टिप्पणी : आंकड़े मार्च अंत के लिए 31 मार्च और अन्य सभी महीनों के लिए अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।

किये गये), रिवर्स रेपो परिचालनों के माध्यम से आत्मसात की गयी चलनिधि की राशि संशोधित व्यवस्था के अनुसार 3,000 करोड़ रुपये तक सीमित बनी रही । एमएसएस के अंतर्गत बकाया शेष मार्च 2007 के अंत के 62,974 करोड़ रुपये से बढ़कर जुलाई 20, 2007 तक 85,027 करोड़ रुपये हो गया, जो अत्यंत अल्पकालिक असंतुलनों को संतुलित करने के लिए सुविधा के रूप में एलएएफ बहाल करने के लिए मार्च/

चार्ट 14: एलएएफ के अंतर्गत रेपो (+) / रिवर्स रिपो (-)

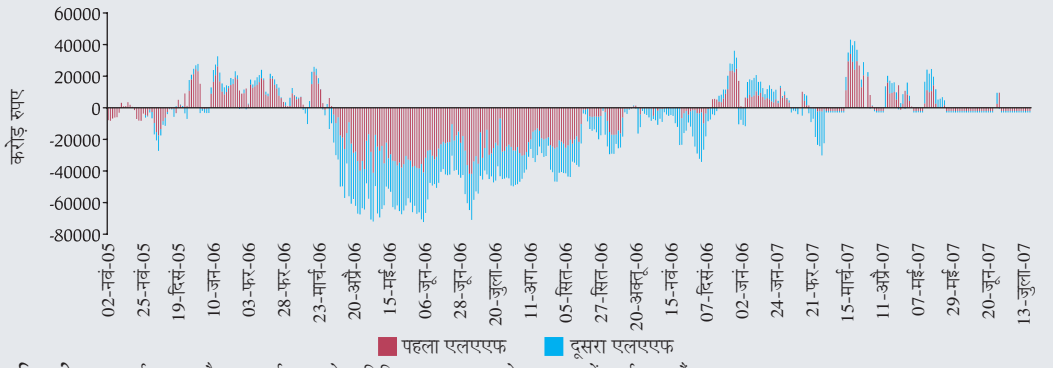

टिप्पणी : 31 मार्च 2006 और 31 मार्च 2007 के अतिरिक्त एलएएफ दूसरे एलएएफ में दर्शाए गए हैं।

सारणी 29 : चलनिधि प्रबंधन

(करोड़ रुपए)

अंतिम शुक्रवार को बकाया	एलएएफ	एमएसएस	भारिबैं में केंद्र का अधिशेष @	कुल (2 से 4)
1	2	3	4	5
2006				
जनवरी	-20,555	37,280	39,080	55,805
फरवरी	-12,715	31,958	37,013	56,256
मार्च*	7,250	29,062	48,828	85,140
अप्रैल	47,805	24,276	5,611	77,692
मई	57,245	27,817	-1,203	83,859
जून	42,565	33,295	8,621	84,481
जुलाई	44,155	38,995	8,770	91,920
अगस्त	23,985	42,364	26,791	93,140
सितंबर	1,915	42,064	34,821	78,800
अक्तूबर	12,270	40,091	25,868	78,229
नवंबर	15,995	37,917	31,305	85,217
दिसंबर	-31,685	37,314	65,582	71,211
2007				
जनवरी	-11,445	39,375	42,494	70,424
फरवरी	6,940	42,807	53,115	1,02,862
मार्च *	-29,185	62,974	49,992	83,781
अप्रैल	-9,996	75,924	-980	64,948
मई	-4,690	87,319	-7,753	74,876
जून	-8,895	81,137	-15,159	57,083
जुलाई (20 जुलाई की स्थिति)	3,000	85,027	-30,058	57,969

@ : रिज़र्व बैंक के पास का न्यूनतम नकदी शेष छोड़कर।

* : आंकड़े 31 मार्च से संबंधित हैं।

टिप्पणी : 1. स्तंभ 2 का ऋणात्मक चिह्न एलएएफ रिपो के माध्यम से चलनिधि शामिल करना दर्शाता है।

2. स्तंभ 4 में ऋणात्मक संकेत डब्ल्यूएमए/ओवरड्राफ्ट को सूचित करता है।

3. 5 मार्च 2007 से एलएएफ के तहत दैनिक रिवर्स रिपो अवशोषण को 3000 करोड़ रुपए की अधिकतम सीमा तक सीमित रखा गया है जिसमें से 2000 करोड़ रुपए पहले एलएएफ तथा 1000 करोड़ रुपए दूसरे एलएएफ में समाविष्ट होता है।

अप्रैल 2007 में बढ़ाये गये एमएसएस कार्यक्रम को प्रतिबिंबित करता है (सारणी 27)। इस उद्देश्य से, पूँजी प्रवाह, अस्थिरता के मूल्यांकन और पूँजी प्रवाह के स्थायित्व को ध्यान में रखते हुए एमएसएस निर्गम के लिए खजाना बिलों और दिनांकित प्रतिभूतियों का मिश्रित रूप अधिक लचीले ढंग से प्रयोग किया जाता है।

हाल की अवधि में सरकार के नकदी शेष और पूँजी प्रवाह में अधिक उतार-चढ़ाव की पृष्ठभूमि में घरेलू चलनिधि स्थिति और एक दिवसीय ब्याज दर में काफी घट-बढ़ देखने को मिली है । सरकार के नकदी शेष में कमी और पूँजी के अंतर्वाह में वृद्धि बाजार चलनिधि में वृद्धि का कारण बनती है और एक दिवसीय ब्याज दर पर दबाव में कमी आती है । यह विलोमतः भी उतना ही सही है । जैसाकि पहले नोट किया गया है, संशोधित चलनिधि प्रबंधन व्यवस्था को मार्च 5, 2007 से लागू किया गया था । एलएएफ रिवर्स रेपो के अंतर्गत चलनिधि के आमेलन की 3,000 करोड़ रुपये की सीमा के साथ एक संवृद्ध एमएसएस कार्यक्रम लागू किया गया, ताकि अत्यंत अल्पकालिक असंतुलनों का संतुलन करने के लिए सुविधा के रूप में एलएएफ को बहाल किया जाये। तथापि, सापेक्ष रूप में सरकार के नकदी शेष में वृद्धि होने पर, मांग ब्याज दर मार्च 2007 के अंत तक 54 प्रतिशत की ऊँचाई पर पहुँच गयी । अभी हाल में, सरकार के नकदी शेष में कमी होने और पूँजी के अधिक अंतर्वाह ने मांग ब्याज दर में भारी कमी करते हुए उसे एक प्रतिशत से नीचे पहुँचा दिया है ।